मरे हुओं के सपनों का स्रोत: एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

मनुष्य के सपने मुख्यतः तीन श्रेणियों में आते हैं:

1. वे सपने जो परमेश्वर से आते हैं
2. वे सपने जो शैतान से आते हैं
3. वे सपने जो मानव आत्मा से उत्पन्न होते हैं (हमारे अपने विचार, भावनाएँ और अनुभव)

हर विश्वासी के लिए यह समझना बहुत आवश्यक है कि उसका सपना किस श्रेणी में आता है। इससे हम अपने सपनों को बाइबल के अनुसार परख सकते हैं और व्यर्थ की चिंता या भय से बच सकते हैं।

1. आत्मा से उत्पन्न होने वाले सपने (मनुष्य के विचारों के कारण)

अधिकांश सपने इसी श्रेणी में आते हैं। ये हमारे दैनिक अनुभवों, भावनाओं, वातावरण और चिंताओं से उत्पन्न होते हैं। बाइबल इस विषय में हमें यह सिद्धांत देती है:

“क्योंकि बहुत परिश्रम से स्वप्न होते हैं, और बहुत बातों
में मूर्ख का शब्द प्रगट होता है।”
सभोपदेशक 5:3 (पवित्र बाइबल: हिंदी O.V.)

मरे हुओं के सपनों का स्रोत: एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

यदि कोई बढ़ई है और रोज लकड़ी का काम करता है, तो स्वाभाविक है कि उसके सपनों में आरी, हथौड़ी या निर्माण से जुड़ी चीजें आएंगी। इसी प्रकार, कोई यदि गाँव में पशु पालन करता है तो उसके सपनों में मवेशी आना स्वाभाविक है।

कुछ सपने हमारे शारीरिक हालात से भी उत्पन्न होते हैं, जैसे भूख, प्यास या मूत्र की आवश्यकता। ये बातें भी हमारे सपनों को प्रभावित करती हैं।

“जैसे कोई भूखा स्वप्न में खाता दिखाई दे, और जागने पर उसकी आत्मा खाली ही रहे; या कोई प्यासा स्वप्न में पीता दिखाई दे,
और जागने पर वह थका और प्यासा ही रह जाए; वैसे ही सब जातियों
के भीड़ के साथ होगा।”
यशायाह 29:8 (पवित्र बाइबल: हिंदी O.V.)

ये सपने मनोवैज्ञानिक या शारीरिक होते हैं, परमेश्वर की आत्मिक शिक्षा नहीं।

2. मरे हुओं से संबंधित सपने

मरे हुए लोगों के बारे में सपने देखना – विशेषकर किसी अपने के बारे में – अक्सर हमारे दुःख या स्मृति से जुड़ा होता है। जब

मरे हुओं के सपनों का स्रोत: एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

कोई हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है, तो उसकी यादें हमारी आत्मा में बनी रहती हैं और वे नींद में प्रकट हो सकती हैं।

यदि आप अपने माता-पिता, मित्र या भाई-बहन को सपने में बात करते देखें, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वे आपसे संपर्क कर रहे हैं। बाइबल हमें सिखाती है कि सामान्य परिस्थितियों में मृतक जीवितों के पास नहीं आते।

“क्योंकि जो जीवित हैं वे जानते हैं कि वे मरेंगे; परन्तु
मरे हुए कुछ नहीं जानते, और उनका कोई प्रतिफल नहीं, क्योंकि उनकी स्मृति मिट गई है।”
सभोपदेशक 9:5 (पवित्र बाइबल: हिंदी O.V.)

ऐसे सपने सिर्फ आत्मा का दुःख को सँभालने का तरीका होते हैं। ये वर्षों तक, या जीवनभर भी हो सकते हैं। इनमें डरने की कोई आवश्यकता नहीं है।

3. जब सतर्क रहने की आवश्यकता हो: डरावने या शैतानी स्वप्न

यदि मरे हुओं से जुड़े सपनों में ये बातें हों:

मरे हुओं के सपनों का स्रोत: एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

डर या भय
धमकी भरे शब्द या आदेश
कुछ अजीब वस्तु खिलाई जाना
अज्ञात या अंधकारमय स्थान पर ले जाया जाना

… तो आत्मिक सावधानी आवश्यक है। ऐसे सपने शैतानी हो सकते हैं। बाइबल कहती है कि शैतान भी स्वयं को “ज्योतिर्मय स्वर्गदूत” के रूप में प्रकट करता है (2 कुरिन्थियों 11:14)। दुष्टात्माएँ मृतकों का रूप धरकर हमें धोखा देने या डराने का प्रयास कर सकती हैं।

ऐसे में आपको चाहिए:

यीशु मसीह के नाम से उस आत्मा को डांटना
सुरक्षा के लिए प्रार्थना करना (इफिसियों 6:10-18)
कोई भी ऐसा संदेश न मानना जो परमेश्वर के वचन के विरुद्ध हो

“इसलिये परमेश्वर के अधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो तो वह तुम से भाग जाएगा।”
याकूब 4:7 (पवित्र बाइबल: हिंदी O.V.)

मरे हुओं के सपनों का स्रोत: एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

4. जब परमेश्वर मरे हुओं के संदर्भ में सपनों के द्वारा कुछ सिखाते हैं

कभी-कभी परमेश्वर सपनों में मृत व्यक्तियों के चित्र दिखाकर कोई सच्चाई प्रकट करते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि मृतक हमसे बात कर रहे हैं, बल्कि परमेश्वर हमारी समझ के लिए परिचित चेहरों के द्वारा शिक्षा देता है।

उदाहरण:

यह बताने के लिए कि मृत्यु के बाद भी जीवन है
किसी दुखी व्यक्ति को सांत्वना देने के लिए
आत्मिक बातें परिचित छवियों के द्वारा समझाने के लिए

बाइबल बताती है कि जो मसीह में मरे, वे खोए नहीं, बल्कि प्रभु के साथ जीवित हैं:

“हे भाइयो! हम नहीं चाहते कि तुम उन्हें लेकर जो सो गए हैं, अज्ञानी रहो, ऐसा न हो कि तुम औरों के समान शोक करो जिनकी कोई आशा नहीं। क्योंकि यदि हम विश्वास करते हैं कि यीशु मरा और
जी उठा, तो इसी प्रकार परमेश्वर उन्हें भी जो यीशु में सो गए हैं, उसी के साथ ले आएगा।”

मरे हुओं के सपनों का स्रोत: एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

1 थिस्सलुनीकियों 4:13-14 (पवित्र बाइबल: हिंदी O.V.)

ये सपने मृतकों की वास्तविक उपस्थिति नहीं, बल्कि परमेश्वर की ओर से प्रतीकात्मक शिक्षा या सांत्वना होते हैं।

5. अविश्वासियों के लिए चेतावनी और निमंत्रण

यदि आप अभी तक मसीह में नहीं हैं और आपके सपने मृत्यु या परलोक के बारे में सोचने पर मजबूर करते हैं, तो जान लीजिए कि संभवतः परमेश्वर आपको मन फिराने के लिए बुला रहा है। सपने कई बार ईश्वर की चेतावनी हो सकते हैं।

शारीरिक मृत्यु अंत नहीं है। हर आत्मा को अंततः या तो परमेश्वर की उपस्थिति में या उससे दूर अनंतकाल बिताना है। बाइबल कहती है:

“और जैसा मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय ठहराया हुआ है।”
इब्रानियों 9:27 (पवित्र बाइबल: हिंदी O.V.)

परमेश्वर इन सपनों के द्वारा स्मरण दिला सकता है कि जीवन

मरे हुओं के सपनों का स्रोत: एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

अल्पकालिक है और अनंतकाल बहुत लंबा। यदि आप अपने पापों में मरते हैं तो आपका न्याय होगा (यूहन्ना 3:18)। पर यदि आप पश्चाताप और विश्वास के साथ मसीह की ओर लौटते हैं, तो आपको अनन्त जीवन प्राप्त होगा (यूहन्ना 3:16)।

“आज यदि तुम उसका शब्द सुनो, तो अपने मन को कठोर मत बनाओ।” इब्रानियों 3:15 (पवित्र बाइबल: हिंदी O.V.)

निष्कर्ष: सपनों के प्रति बाइबिल आधारित प्रतिक्रिया

यदि आपका सपना आपके दैनिक जीवन या भावनाओं से जुड़ा है, तो वह संभवतः आपकी अपनी आत्मा से है।
यदि आपके सपने भय, उलझन या दुष्टतापूर्ण तत्व लाते हैं, तो यीशु के नाम से उन्हें ठुकराएँ।
यदि आपके सपने आत्मिक सच्चाई या सांत्वना लाते हैं, भले ही वे मृत व्यक्तियों के प्रतीक के रूप में हों, तो वे परमेश्वर की ओर से हो सकते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण है आत्मिक रूप से तैयार रहना।
यदि आप मसीह में हैं, तो आपको डरने की आवश्यकता नहीं। यदि नहीं हैं, तो ये सपने परमेश्वर का आपके लिए उद्धार का निमंत्रण हो सकते हैं।

मरे हुओं के सपनों का स्रोत: एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

आज ही मन फिराइए। यीशु के नाम को पुकारिए। ज्योति में चलिए। और आपके रात्रि के सपने भय से नहीं, शांति से भरपूर हों।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp